

**प्रांत पुं.** (तत्.) 1. किनारा 2. सीमा 3. कोना 4. नोक 5. अंत 6. क्षेत्र 7. राष्ट्र का कोई बड़ा भाग 8. अंग्रेजों के शासन काल में भारत की एक शासकीय इकाई जैसे- पंजाब प्रांत आदि, संप्रति इसके लिए प्रदेश अथवा राज्य शब्द का प्रयोग होता है, क्योंकि भारतीय संविधान में भारत को राज्य-संघ स्वीकार किया गया है 9. शासकीय इकाई (जिला) इस अर्थ में जनपद शब्द का प्रयोग भी प्रचलित रहा है, परंतु जिला शब्द अधिक प्रचलित रहा है।

**प्रांतर पुं.** (तत्.) 1. लंबा एवं निर्जन मार्ग 2. वह प्रदेश जिसमें जल और वृक्ष न हो 3. छाया विहीन मार्ग 4. उजाड़ 6. वन, जंगल 6. वृक्ष का कोटर।

**प्रांतीय वि.** (तत्.) किसी प्रांत विशेष से संबद्ध प्रांत का।

**प्रांतीयता स्त्री.** (तत्.) प्रांत विशेष से संबद्ध होने की संकीर्ण भावना, अपने प्रांत के प्रति विशेष पक्षपात या मोह का भाव, प्रांत निष्ठता।

**प्राणेश पुं.** (तत्.) 1. प्राणों का ईश्वर, ईश, स्वामी, प्राणों का स्वामी, जीवचन का मालिक 2. (स्त्री के लिए उसका) पति 3. (स्त्री के लिए उसका) प्रेमी, प्रियतमा 4. परम प्रिय परमात्मा, देवता।

**प्राणेश्वर पुं.** (तत्.) दे. प्राणेश।

**प्राणेश्वरी स्त्री.** (तत्.) 1. प्राणों की स्वामिनी, जीवन की मालकिन 2. (पुरुष के लिए उसकी) पत्नी 3. (पुरुष के लिए उसकी) प्रेमिका, प्रिया, प्रियतमा।

**प्राणोत्सर्ग पुं.** (तत्.) 1. प्राणों का त्याग, मृत्यु 2. आत्मबलिदान, शहादत।

**प्रातः क्रि.वि.** (तत्.) प्रातः काल, सुबह, सवेरा, प्रभात का समय।

**प्रातःकर्म/प्रातः कार्य पुं.** (तत्.) नित्य प्रातः काल में किए जाने वाले शौच, स्नान, कर्म आदि।

**प्रातःकाल पुं.** (तत्.) प्रभात का समय, सूर्योदय से कुछ पूर्व का तथा कुछ बाद का समय, सवेरा, सुबह का समय।

**प्रातःकालिक वि.** (तत्.) प्रातःकाल से संबंध, प्रातः काल में सम्पन्न किए जाने वाले (कर्म)।

**प्रातःकालीन पुं.** (तत्.) दे. प्रातः कालिक।

**प्रातःपारी स्त्री.** (तत्.+देश.) (पत्र.) दैनिक समाचार पत्रों के नियमित संस्करणों को प्रेस भेज देने का पश्चात् का समय जिसमें समाचार विभाग में कार्य करने वाले व्यक्ति ध्यानाकर्षित करने वाली नई गतिविधियों से संबंध सूचनाओं अथवा नए समाचारों की खोज में रहते हैं।

**प्रातः प्रदर्शन पुं.** (तत्.) नाट्य. दोपहर बारह बजे पूर्व किया जाने वाला नाटक, नृत्य, गायन आदि की प्रस्तुति।

**प्रातःसंध्या स्त्री** (तत्.) प्रातःकाल की जाने वाली भगवान की पूजा।

**प्रातःसायं क्रि.वि.** (तत्.) सुबह शाम, सवेरे-सांझ।

**प्रातःस्नान पुं.** (तत्.) प्रातःकाल किया जाने वाला स्नान।

**प्रातःस्मरण पुं.** (तत्.) सुबह के समय में किया जाने वाला भगवान अथवा पुरुषों का स्मरण।

**प्रातःस्मरणीय वि.** (तत्.) 1. प्रभात वेला में प्रेरणा प्राप्त करने के लिए स्मरण किए जाने योग्य (व्यक्ति अथवा व्यक्तित्व) 2. अत्यंत श्रद्धेय और उदात्त चरित्र वाला व्यक्ति।

**प्रातराश पुं.** (तत्.) प्रातःकाल किया जाने वाला हल्का भोजन, नाश्ता, कलेवा, अल्पाहार।

**प्रातस्तन वि.** (तत्.) प्रातःकाल से संबंध रखने वाला, सुबह का।

**प्रातिज्ञ पुं.** (तत्.) विचाराधीन विषय, तर्क या विवाद का विषय।

**प्रातिपद वि.** (तत्.) 1. प्रतिपदा (शुक्लपक्ष एवं कृष्णपक्ष का पहला दिन) से संबंध 2. प्रतिपदा के दिन उत्पन्न 3. उपक्रम (साहस का कार्य) करने वाला।